हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

12 आरआरसीएम में विज्ञान प्रदर्शनी और कला उत्सव

12 सभी समाज के लोगों को महापुरुषों का सम्मान...

किन्नरों के दो गुटों में हिंसक झड़प, गाड़ियां तोड़ी, पुलिस केस दर्ज

हाउसिंग बोर्ड के आसपास बधाई मांगते वक्त दोनों गुट हो गए थे आमने–सामने, विवाद हिंसक झड़प में बदला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में शनिवार शाम को किन्नर समाज के दो गुटों के बीच हुई मारपीट और तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने दोनों गुटों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इनमें एक गुट भिवानी-महेंद्रगढ़ तथा दूसरा नारनौल का है। इस मामले में पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है। करीब एक सप्ताह से शहर में किन्नर समाज के दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर वाकयुद्ध छिड़ी हुई थी, जो शनिवार देर शाम को मारपीट एवं तोड़फोड़ में तब्दील हो गई। हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र के आसपास जब बधाई मांगते वक्त दोनों गुट आमने–सामने हुए तो उनका विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में कई लोग घायल हो गए, वाहनों को नुकसान पहुंचा और शहर में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। इस बारे में शहर थाना में दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों गुटों पर अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नारनौल। किन्नरों की गाड़ी में की गई तोड़फोड़ देखते लोग। फोटो : हरिभूमि

गाड़ियों में सवार होकर आए युवकों ने तोड़े गाड़ी के शीशे

एक गुट की ओर से पूजा किन्नर उर्फ लाला ने शिकायत में बताया कि वह पूजा किन्नर, मनीषा किन्नर, अंशिका किन्नर, जानवी और ड्राइवर सन्नी के साथ बधाई के काम से हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में जा रही थी। इसी दौरान 7–8 गाड़ियों में सवार करीब 20–25 युवकों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। जान बचाने के लिए उन्होंने गाड़ी थाने की ओर मोड़ दी, लेकिन आरोप है कि महक नाम की किन्नर ने आगे गाड़ी लगाकर उनकी गाड़ी को रोक लिया, जबकि पीछे से एक अन्य गाड़ी ने टक्कर मार दी। चारों तरफ से गाड़ी को घेरकर शीशे तोड़े गए और गाड़ी के अंदर घुसकर उनसे मारपीट की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस दौरान डंडों, लात-घूंसों से हमला किया गया और हथियार, ब्लेड व चाकू दिखाकर डराया गया। पूजा किन्नर ने पर्स से डेढ़ लाख रुपये नकद, सोने की चेन, अंगूठियां और अन्य जेवर छीने जाने का आरोप लगाया। मनीषा किन्नर और अंशिका ने भी पैसे, मोबाइल और जेवर लूटने की बात कही है। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें जान से मारने की कोशिश की गई और लोगों की मदद से वे किसी तरह बच पाए।

पुलिस कर रही कार्रवाई

पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें कई चोटें पाई गईं। थाना सिटी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में दोनों पक्षों पर केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एक गुट के कई सदस्य घायल

वहीं दूसरे गुट की ओर से गुरु महक किन्नर व साधना किन्नर ने भी थाना सिटी नारनौल में शिकायत दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूजा और मनीषा किन्नर अपने साथियों के साथ जबरन उनके क्षेत्र में बधाई मांगने आए थे। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें उनके गुट के कई सदस्य घायल हो गए।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से तापमान बढ़ने से सर्दी हुई कम

नारनौल। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ का असर से मौसम परिवर्तनशील बना हुआ। सम्पूर्ण इलाके में आंशिक बादल वाही और दिन व रात के तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से हरियाणा एनसीआर दिल्ली सर्दी का असर कम हो गया है। जिससे सर्दी की ऋतु में दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है। एक के बाद एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में ठंड के तेवरों को ढीला कर दिया है। कमजोर पश्चिमी मौसम प्रणाली, जो लगातार छोटे छोटे अंतराल पर सक्रिय हो रही है। जिसके कारण सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

बारिश की सम्भावना नहीं

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि 24 दिसम्बर तक हरियाणा एनसीआर दिल्ली में आमतौर पर मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 24 दिसम्बर तक मौसम आमतौर पर शुष्क बना रहेगा। 19 दिसंबर को एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 19-21 दिसम्बर के दौरान आंशिक बादलवाही देखने को मिलेगी, बारिश की सम्भावना नहीं है। इस दौरान उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर बर्फबारी जारी रहेगी। 21 के बाद सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में धुंध कोहरा व तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। 25 दिसम्बर को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव व तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

खबर संक्षेप

एक दिवसीय एनएसएस कैम्प आयोजित

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के मार्गदर्शन व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में एक दिवसीय राष्ट्र सेवा योजना कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में 100 स्वयंसेवकों ने जिम्मेदारी के साथ भाग लिया। कैंप में मुख्य अतिथि सरपंच अमर सिंह व विशिष्ट अतिथि अमर सिंह पंच थे। कैंप की शुरूआत एनएसएस लक्ष्य जीत से की गई। कैंप इंचार्ज धर्मसिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के आदर्श वाक्य, गतिविधियों व उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि अमर सिंह सरपंच ने कहा कि एनएसएस से छात्रों में सामुदायिक जिम्मेदारी, नेतृत्व व समुदाय सेवा की भावना का विकास होता है।

पुलिस का नशा मुक्त जागरूकता अभियान

नारनौल। पुलिस की संयुक्त टीम ने थाना नांगल चौधरी के अंतर्गत गांव बूढ़वाल के पंचायत घर में नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा व महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान नया सवेरा मुहिम की इंचार्ज निरीक्षक शारदा देवी ने उपस्थित जनसमूह को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आगाह किया और बताया कि स्वेच्छा से नशा छोड़ने वालों को मुख्य धारा में लाने के लिए पुलिस हर संभव सहायता करेगी।

भूप कॉलोनी में गूंजे राधे राधे के जयकारे

नारनौल। श्रीराधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 152वीं भव्य प्रभात फेरी भूप कॉलोनी से निकाली गई। प्रभात फेरी के यजमान सत्यम सैनी पुत्र चतर सिंह सैनी व सरोज सैनी रहे। जिन्होंने परिवार सहित ठाकुर जी की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। सुबह ठाकुर जी की आरती कर भक्तों को चंदन तिलक लगाया। ढोल मृदंग की थाप पर गूंजते राधे राधे के जयघोष के बीच प्रभात फेरी यजमान के निवास से प्रारंभ होकर भूप कॉलोनी की परिक्रमा करती हुई आगे बढ़ी। परिक्रमा मार्ग में फूलों की वर्षा की गई।

मंत्री आवास के घेराव में शामिल होंगे पैक्स कर्मी

नांगल चौधरी। हरियाणा पैक्स कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर नांगल चौधरी पैक्स कर्मचारियों ने रोष प्रदर्शन किया। सरकार विरोधी नारेबाजी करने के बाद 19 दिसंबर को सहकारिता मंत्री के आवास के घराव आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने पैक्स कर्मचारियों को नियमित करने तथा मूलभूत सुविधा देने की गुहार गई। प्रधान पृथ्वीसिंह तंवर ने कहा कि सरकार की ओर से क्रियांवित योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने में पैक्स कर्मचारियों का बड़ा योगदान होता है। सिमित संसाधन तथा सुविधाओं के बावजूद किसानों को खाद, बीज के साथ आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाते हैं।

प्रदेश के 447 अस्पतालों को कैशलेस ट्रीटमेंट के लिए पैनल में शामिल किया

सरकारी कर्मी, पेंशनर्स एवं आश्रित जिले के 12 निजी अस्पतालों में करा सकेंगे कैशलेस ट्रीटमेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस इलाज की सुविधा शुरू की है। इसके लिए प्रदेश के पोर्टल पर 447 अस्पताल सूचीबद्ध किए गए हैं। इस सूची में जिला महेंद्रगढ़ के 12 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं, जहां पर उक्त पात्र लोग अपना इलाज कैशलेस करा सकते हैं।

आयुष्मान भारत-हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा अधिकरण ने सभी सिविल सर्जनों को इस योजना का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हुए हैं। कर्मचारियों को परिवार पहचान पत्र के साथ आयुष्मान पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा।

गौर हो कि प्रदेश सरकार ने चिरायु योजना के तहत सभी लोगों के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा प्रदान की हुई है। इसके लिए सरकारी ही नहीं, प्राइवेट अस्पतालों का एक पैनल बनाया हुआ है। सरकार अब सरकारी कर्मचारी वर्ग की मांग पर उन्हें कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की हुई है तथा उनके लिए विशेष रूप से प्राइवेट अस्पतालों का पैनल बनाकर उसकी सूची भी जारी कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के साथ सूचीबद्ध अन्य अस्पतालों को भी निर्देशित किया गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा विकसित एचईएम पोर्टल पर पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन भेजें। स्वास्थ्य महानिदेशक कार्यालय की सूची में शामिल अस्पतालों को ही पैनल में शामिल किया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना की मदद से सभी सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कर्मचारियों को कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। गंभीर बीमारियों के साथ ही सभी इनडोर व डे केयर प्रक्रियाएं योजना में कवर होंगी।

नारनौल। जिला नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

परिवार पहचान पत्र अनिवार्य

योजना का लाभ लेने के लिए कर्मचारियों के पास परिवार पहचान पत्र होना अनिवार्य है। आयुष्मान मोबाइल एप या वैब पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के बाद कार्ड जनरेशन पोर्टल से आसानी से कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

वेतनमान के अनुसार मिलेगा कमरा

जानकारी के अनुसार इस योजना में 1340 बीमारियां कवर की गई हैं। कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर सूचीबद्ध अस्पतालों में उनके वेतनमान के अनुसार कमरा भी मिलेगा। 50 हजार 500 रुपये तक बेसिक वेतनमान वाले कर्मचारियों को जनरल वार्ड रूम, 64 हजार 100 रुपये के बेसिक वेतनमान वाले कर्मचारियों को सेमी प्राइवेट रूम और इससे अधिक बेसिक वेतनमान पर सिंगल प्राइवेट रूम मिल सकेगा।

पहले केवल दो विभागों में की थी योजना लागू

यहां बता दें कि प्रदेश में पहली बार हरियाणा दिवस पर एक नवंबर 2023 को बागवानी और मत्स्य पालन विभागों के कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरू की गई थी। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद सात जून 2024 को इस योजना को सभी विभागों में लागू कर दिया गया। इसके बावजूद अभी तक बड़ी संख्या में कर्मचारी और पेंशनर्स इस सुविधा का लाभ नहीं उठा पा रहे। ऐसे में आयुष्मान भारत-हरियाणा स्वास्थ्य सुरक्षा अधिकरण ने सभी सिविल सर्जनों को आदेशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने को कहा है। इतना ही नहीं, सरकार ने जिला स्तर पर प्राइवेट अस्पतालों का एक पैनल बना दिया है, जहां पर जाकर भी उक्त कर्मचारी वर्ग के लोग अपना इलाज ले सकते हैं।

जिला महेंद्रगढ़ के ये प्राइवेट अस्पताल पैनल में शामिल

सरकारी कर्मचारी वर्ग के लिए प्रदेश सरकार ने जो 447 अस्पताल सूचीबद्ध किए हैं, उनमें जिला महेंद्रगढ़ के 12 प्राइवेट अस्पताल शामिल हैं, जिनमें शांति अस्पताल निजामपुर रोड नारनौल, लक्ष्मीनारायण अस्पताल नारनौल रोड महेंद्रगढ़, रेनबो अस्पताल नजदीक महावीर चौक नारनौल, बंसल आई केयर अस्पताल गोशाला रोड महेंद्रगढ़, गेटवैल अस्पताल पॉवर हाउस के सामने महेंद्रगढ़ रोड नारनौल, विजय अस्पताल बस स्टैंड के सामने नारनौल, अग्रवाल नर्सिंग होम शेखपुरा मोड़ नारनौल, जयपुर हार्ट अस्पताल सिटी थाने के सामने नारनौल, यादव ऑर्थो राव तुलाराम चौक महेंद्रगढ़, गंगा देवी पांडेय आई हॉस्पिटल नारनौल रोड महेंद्रगढ़, गोयल नेत्र चिकित्सालय महेंद्रगढ़ रोड नारनौल तथा सीबीएम हेल्थकेयर महेंद्रगढ़ रोड नारनौल अस्पताल शामिल हैं।

यह बोले नोडल अधिकारी:

सरकार गवर्नमेंट एंपलॉय एवं रिटायर्ड कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को कैशलेस इलाज की सुविधा दे रही है। इसके लिए सरकारी विभागों के कर्मचारियों को ट्रेनिंग भी दी गई है कि वह इस योजना का किस प्रकार से लाभ उठा सकते हैं। प्राइवेट अस्पतालों को पैनल में सूचीबद्ध भी किया गया है, जहां से ये कर्मचारी अपना कैशलेस इलाज ले सकते हैं।

-डा. मनीष यादव, नोडल अधिकारी, चिरायु योजना/आयुष्मान भारत योजना, नारनौल।

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

सचिन अग्रवाल को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर की अग्रणी एवं सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की मुहिम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप कुमार एडीओ रहे।

अध्यक्षता संस्था के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष गोगिया व संदीप जैन ने की। कार्यक्रम में शहर के होनहार युवा सचिन अग्रवाल गोल्ड मेडलिस्ट व केबीसी प्रतिभागी को सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया ने बताया कि संस्था की मुहिम के अंतर्गत अनेक लोगों को सम्मानित किया जा चुका है।

कुणाल शुक्ला, नवीन हरियाणवी व राकेश यादव ने बताया कि इस कड़ी को आगे भी निरन्तर जारी रखा जाएगा। जल्द ही मेडिकल चेकअप कैम्प आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम संयोजक हिमांशु संघी, देव शर्मा ने बताया कि जल्द ही मेडिकल चेकअप कैम्प आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि ने कहा कि मनीष गोगिया एक मिलनसार व्यक्तित्व के धनी है। जिनके मार्गदर्शन में संस्था अनेक रक्तदान शिविर, आपातकालीन रक्तसेवा में लगभग 2000 यूनिट का प्रबंध करवाया। संस्था के काम को देखते हुए मोहित नासा ने ज्वाइन किया।

नारनौल। गोल्ड मेडलिस्ट व केबीसी प्रतिभागी सचिन अग्रवाल को सम्मानित करते ग्रुप सदस्य। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि दुलीचंद शर्मा, निहालचंद, डॉ. पंकज गौड़, पूनम फौजदार, मोहित नासा, मनीष गोगिया, कुणाल शुक्ला, देव शर्मा, निहाल सिंह, राकेश यादव, लोकेश, शुभम, डॉ. प्रदीप, सचिन अग्रवाल, संदीप जैन, हिमांशु संघी आदि मौजूद थे।

रोटरी क्लब रॉयल्स का अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रोटरी क्लब रॉयल्स की ओर से स्वच्छ नारनौल, स्वस्थ नारनौल अभियान के अंतर्गत रविवार को शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थल राव बंसीसिंह पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन मोहन सैनी व रोटेरियन सोनू सैनी की देखरेख में किया गया। जिसमें रोटरी क्लब रॉयल्स के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर पार्क की सफाई की। क्लब के प्रधान दिनेश भार्गव ने कहा कि रोटरी क्लब का मूल उद्देश्य जनसेवा है। राव बंसीसिंह पार्क नगर का प्रमुख सार्वजनिक पार्क है, जहां प्रतिदिन सुबह शाम सैकड़ों नागरिक व्यायाम के लिए आते हैं। ऐसे सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। क्लब की ओर से 24 को अनाथ गोशाला में तीसरी सवामणी का आयोजन किया जाएगा। मौके पर क्लब के उपप्रधान अनिल यादव, कोषाध्यक्ष मोहन सैनी, अमित कुमार, महेश सैनी, सोनू सैनी, कुलदीप, कपिल आदि मौजूद थे।

नारनौल। सफाई अभियान चलाते क्लब के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

फूल-मालाएं पहनाकर किया सम्मानित

गांव खोड़ का अभिषेक तंवर बना वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर

मंडी अटेली। अभिषेक तंवर का पगड़ी पहनाकर फूल–मालाओं से स्वागत करते ग्रामीण।

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव खोड़ के युवा अभिषेक तंवर के भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर बनने पर गांव में हर्ष और गर्व का वातावरण बना हुआ है। इस उपलब्धि पर गांव के लोगों ने और गांव की पंचायत के द्वारा उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। फ्लाइंग ऑफिसर अभिषेक तंवर के पिता हवलदार समुंद्र सिंह भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अभिषेक बचपन से ही मेहनती, अनुशासित और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। खोड़ का भारतीय सेना, वायु सेना और अन्य सुरक्षा बलों में सेवाएं देने का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। ऐसे में अभिषेक तंवर का फ्लाइंग ऑफिसर बनना गांव की इस गौरवशाली परंपरा को और मजबूत करता है। वहीं सम्मान समारोह के दौरान सुमेर सिंह, कृष्ण सिंह, कुलदीप ठेकेदार, सतपाल पूर्व सरपंच, गोपीचंद जोशी, सत्यवीर सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि नरेश कुमार, रणसिंह, ज्ञानसिंह, सुरेश एडवोकेट, मनोज जोशी और नसीब सिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। समारोह में देशभक्ति के नारों के साथ मिठाइयां बांटी गईं।

स्वास्थ्य | युवा वर्ग को समाज हित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने के लिए प्रेरित करें

डा. अनिल एवं स्टाफ नर्स बिना व उनकी टीम ने की निःशुल्क जांच

गांव छापड़ा सलीमपुर में लगाए शिविर में 45 युवाओं ने किया रक्तदान

- एक यूनिट रक्त तीन व्यक्तियों की बचा सकता है जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

गांव छापड़ा सलीमपुर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन बाबा रूपादास मंदिर किया गया। इस शिविर के दौरान डा. अनिल कुमार एवं स्टाफ नर्स बिना यादव और उनकी टीम सदस्यों खून की निःशुल्क जांच की। शिविर में 45 युवाओं ने रक्तदान किया। इस मौके पर ग्रीवेंस कमेटी के मेंबर सतीश उर्फ बबली सिहार और मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्तदान से हार्ट अटैक की संभावना कम होती है। युवा वर्ग को यह समझना होगा कि किसी भी खुशी मौके पर फिजूल खर्ची करने की बजाए रक्तदान जैसे समाज हित के कार्य करने चाहिए, जिससे अन्य लोगों का भला हो सके तथा यह सबका कर्तव्य है कि युवा वर्ग को समाज हित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी एक व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है, बल्कि साथ-साथ में कुछ व्यक्ति के जीवन से जुड़े अन्य परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया। रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्ति को मिल रहा है। एक यूनिट रक्त तीन व्यक्तियों की जान बचा सकता है। इससे ज्यादा पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। कई बार ऐसी स्थिति देखने में आती है, जिसमें खासतौर पर गर्भवती महिलाएं शामिल होती है, जिनके अंदर रक्त की भारी कमी पाई जाती है तथा डिलीवरी के समय उन्हें रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में एक-एक रक्तदाता महत्वपूर्ण हो जाता है।

मंडी अटेली। शिविर में रक्तदाताओं को मेडल पहनाते ग्रामीण। *फोटो : हरिभूमि*

यह रहे मौजूद

इस मौके पर विक्रम सरपंच रामपुरा, मनोज सेकवाल, सरपंच प्रतिनिधि सिंहराज, पूर्व सरपंच राजेंद्र, मुख्तियार सिंह, रामसिंह, हवा सिंह छापड़ा, मेनपाल यादव छापड़ा, मास्टर ओमप्रकाश खनगवाल, लीलाराम, अशोक चौकीदार, अभिषेक, अतुल, महेश, सुकरमपाल के अलावा अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

गीता जयंती महोत्सव

कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव, भगवद गीता के जन्मदिवस (मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह एक विशाल वार्षिक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जहां भक्त ब्रह्म सरोवर में स्नान करते हैं, श्लोक पाठ, भजन, नाटक और शिल्प मेले (सरस मेला) में भाग लेते हैं। यह आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा पर्यटन द्वारा कई देशों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

कला और संस्कृति का अनूठा संगम है फल्गु महोत्सव

लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

संस्कृति

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत हैं। यहाँ की माटी से उठती सुगंध केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं है बल्कि लोकगीतों, नृत्यों, रागनियों और धार्मिक आस्थाओं में भी साँस लेती है। इन्हीं लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। जो न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

इस महोत्सव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यह भी सिद्ध कर दिया कि लोककलाएँ आज भी समाज की आत्मा हैं और जब इन्हें उचित मंच मिलता है, तो ये सांस्कृतिक चेतना की नई धाराओं को जन्म देती हैं। ऐसे में यह उत्सव तब और भी प्रासंगिक तथा प्रभावशाली हो जाता है जब इसका आयोजन कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन पर किया जाता है। हरियाणा के कैथल जिले के गाँव फरल में स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन की बात चली है तो बताते चलें कि वामन पुराण के अनुसार, घने वनों से आच्छादित कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर सात प्रमुख वन थे, जिनमें से एक था फल्कीवन। यह पावन भूमि सरस्वती और दृषद्वती नदियों के जल से पोषित थी। दृषद्वती नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन तक रहा है, जिसके अवशेष आज भी गाँव फरल के पूर्व में देखे जा सकते हैं। इस भूमि पर महर्षि श्री फल्क ने कठोर साधना की, और उन्हीं के नाम पर यह स्थान 'फल्कीवन' कहलाया। कालांतर में, यही वन फल्गु तीर्थ बना और इसके कारण ही गाँव का नाम 'फरल' पड़ा। यह तीर्थ पितृकर्म के लिए विश्वभर में विख्यात है, जिसका वर्णन महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। वामन पुराण के 36वें अध्याय में वर्णित है :

"सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन तथा।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम्।।49।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
तथा श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।50।।"

अर्थात सोमवार के दिन अमावस्या के अवसर पर फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को गया जी में किए गए श्राद्ध की तरह ही तृप्त और प्रसन्न करता है।

फल्गु तीर्थ केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहाँ 17वीं शताब्दी का मुगलकालीन शिव मंदिर, नागर शैली में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर, विशाल सरोवर और एक अत्यंत प्राचीन वटवृक्ष इसकी महत्ता को और भी बढ़ा देते हैं। समीप स्थित पणिश्वर तीर्थ भी है, जिसे महाभारत के अनुशासन पर्व में 'पाणिखात' कहा गया है।

फल्गु तीर्थ पर सांस्कृतिक आयोजनों का इतिहास भले ही शानदार हो, लेकिन इस आयोजनों के बीच आने वाला लंबा अंतराल परंपरा के सरंक्षण में बाधक बन रहा था। जिसे दूर करने का बीड़ा फल्गु मंदिर सुधार समिति ने उठाया। समिति के संरक्षक जयगोपाल शर्मा के मार्गदर्शन में, वर्ष 2011 में पहली बार एक दिवसीय भजन संध्या का आयोजन हुआ। यह छोटा-सा प्रयास गाँव की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला दीपक साबित हुआ। धीरे-धीरे यह परंपरा बढ़ती गई और उत्सव का दायरा एक दिन से बढ़कर सात दिन तक पहुँच गया। हरियाणवी सांग, रागनी, लोकनृत्य, भजन और कवि सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रमों ने इस मंच को बहुआयामी बना दिया। 2016 में जब हरियाणा कला परिषद इस उत्सव से जुड़ी, तो आयोजन को नई ऊर्जा मिली। सरकार के सहयोग और कलाकारों की बढ़ती भागीदारी ने इसे राज्यस्तरीय पहचान दिलाई। वर्ष दर वर्ष इस महोत्सव में कलाकारों की संख्या निरंतर बढ़ती रही। 2016 में जहाँ 35 कलाकारों ने भाग लिया, वहीं 2017 में यह संख्या 180 तक पहुँच गई। 2018 और 2019 में यह परंपरा जारी रही। 2020 में महामारी के कारण उत्सव ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसमें 120 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 2021 से फिर प्रत्यक्ष आयोजन शुरू हुआ और हरियाणा साहित्य अकादमी भी इससे जुड़ गई। इससे गाँव में कवि सम्मेलन की एक नई परंपरा का जन्म हुआ, जिसने लोककलाओं के साथ-साथ साहित्य को भी इस मंच पर स्थान दिया। यह उत्सव हरियाणा सरकार की विभिन्न परीक्षाओं में भी एक प्रश्न बनकर उभरा है कि 'फल्गु उत्सव कब और कहाँ आयोजित होता है?', जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और महत्ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में पहले आयोजनों की परंपरा को निभाने के बाद वर्ष 2023 से महोत्सव कला और सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वित्तीय सहायता से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

हाल ही में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा तथा फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितम्बर 2025 तक फल्गु तीर्थ, फरल (कैथल) में तीन दिवसीय फल्गु लोककला महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली और क्षीरधारा करनाल का विशेष सहयोग रहा। 12 सितम्बर को पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा (निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) के सान्निध्य में मुख्य अतिथि सतपाल जाम्बा, विधायक पूंडरी, अध्यक्ष मनजीत सिंह (सदस्य सचिव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रामबीर सिंह 'राम' और समाजसेवी विकास गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुकेश द्वारा गणेश वंदना,

सत्यवान व सोनी की 'कुएं की पनिहारी', सीमा वत्स की 'काला-काला कहे गुजरी' तथा बलराज और उनकी टीम की 'जर-जोरू और जमीन' जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक-संवेदना से भर दिया।महोत्सव के दूसरे दिन 13 सितम्बर को लोकगायन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी (कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद), अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल (प्राचार्य, जनता कॉलेज, कौल) ने किया महाबीर गुड्डू ने भी सुप्रसिद्ध रागनी 'गंगा जी तेरे खेत मैं' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। 14 सितम्बर को अंतिम दिन हरियाणवी मखौल एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी), अध्यक्ष सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि कर्म सिंह, डॉ. पवन वर्मा (निदेशक, आकाशवाणी हिसार) और विजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री अनामिका वालिया, हास्य कलाकार संजीत कौशिक, प्रदीप सिंह, आजाद दुहन, विनीत पांडेय और गीतकार चरणजीत 'चरण' की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी, व्यंग्य और भक्ति के संगम से सराबोर कर दिया। तीनों दिन फल्गु तीर्थ परिसर लोकसंगीत, नृत्य और काव्य से गूंजता रहा। सभी अतिथियों ने कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद देते हुए ऐसे आयोजनों को हरियाणवी विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार का प्रेरणास्रोत बताया।

वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा इसे "एक सांस्कृतिक चेतना का उत्सव" कहते हैं, जो समाज के लिए एक सुखद अनुभव और उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह की नज़र में 'फल्गु उत्सव' अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित एक सकारात्मक और सफल प्रयास है जो समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी.एस. चौहान का मानना है कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का संगम है, जो युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ता है। इसी प्रकार उत्तर मध्य सांस्कृतिक कला केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का सपना देखते हैं और इसे संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक सार्थक योगदान मानते हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंहल कहते हैं कि फल्गु उत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के तीर्थों के प्रचार-प्रसार और रख-रखाव के संकल्प में सहयोगी प्रतीत होता है।

वहीं लंदन में रहने वाले प्रसिद्ध रेडियो कलाकार रवि शर्मा का मानना है कि ऐसे आयोजन मन को आनंदित करते हैं। पद्मश्री महाबीर गुड्डू कहते हैं कि 'फल्गु लोककला महोत्सव' कला और संस्कृति के आनंद का उत्सव है। महोत्सव के संयोजक दिनेश शर्मा 'दिनेश' का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव फल्गु मेले के रूप में विकसित हो, जो पितृपक्ष के पूरे सोलह दिनों तक चले और हजारों कलाकारों तथा लाखों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ दे। उनका मानना है कि यह न केवल संस्कृति के संरक्षण का एक प्रयास है, बल्कि फल्गु तीर्थ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी एक माध्यम है। फल्गु तीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित यह महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कविता | **सविता गर्ग 'सावी'**

विष्णु चरण तै निकली गंगा

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

राजा सागर के पुत्रां नै जब
कपिल मुनि का उपहास करया
आंख खोल कै गेड़ी दृष्टि
पल में सब तै भसम करया
जब दुनिया नै बेरा पाटया मचगी सारै दुहाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

स्वर्ग लोक तै चल कै गंगा
मृत्यु लोक मैं आई
सब ऋषियां की कुटिया बह गई
मच गई सारै तबाही
जाहनू ऋषि नै पी कै गंगा मन मैं शांति पाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

हाथ जोड़ कै बोल्या भागीरथ
विनती मेरी स्वीकार करो
मेरे पित्तर सै अधोगति मैं
उन सब का उद्धार करो
सावी गावै झूम झूम कै जय हो गंगा माई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

गीत | **सुरेश भाणा**

नशा करै बुरी दशा

नशा करै बुरी दशा क्रोध का बाप बताया जा
क्रोध के कारण मति भ्रम हो ना बिल्कुल भी समझाया जा

नशे के कारण इस जग में ज्यादा झगड़े होते देखे
बुद्धि से ना काम लेवैं , वैं फेर पाछै तै रोते देखे
लाख बुराई हर तरियां की अपने सिर पै ढोते देखे
भाईचारा रिस्तेदारी और यारी नै भी खोते देखे
काम ईसा कर जाते जो ना फेर पाछै तै सँगवाया जा

नशा करणिया माणस के घर होज्या धन का टोटा
उसका कुणबा भूखा सोवै काम बणै घणा खोटा
टूम ठेकरी बासण बिकज्यां सिर पै हो कर्जा मोटा
सारी दुनिया देवै बुराई छुटज्या मेर मळओटा
चिंता रहती चौबीस घंटे फेर पिया जा ना खाया जा

क्रोध के कारण बैर बढै ये पैदा होज्यां कठिनाई
क्रोध के कारण अक्ल खत्म हो रहै ना गात समाई
क्रोध के कारण कुणबा टूटै और न्यारे होज्यां भाई
क्रोध के कारण बड़े बड़े खपगे ना कोई निशानी पाई
क्रोध करणिया माणस फेर सारे जग में बिसराया जा

काम क्रोध मद लोभ छोड़ कै प्यार निभाणा चाहिए
छोटी मोटी बातां पै ना कदे गुस्सा ठाणा चाहिए
जो लागै बोल सभी नै सुथरा ईसा ए गाणा चाहिए
जन्म लेण नै फेर दोबारा मनै यो पाई भाणा चाहिए
कहै सुरेश गुरु चरणों में यो हरदम शीश झुकाया जा

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

नैतिक मूल्य | **संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए, डिजिटल युग में मोबाइल फोन बन रहे अकेलेपन के साथी**

चिंता का विषय है बदलता सामाजिक परिवेश

जीवनशैली | **कृष्ण गोपाल सोलंकी**

हरियाणा प्रदेश, जिसे कभी अपने दूध-दही के खान-पान, आपसी प्रेम, भाईचारे और अटूट सहयोग के लिए जाना जाता था, आज एक अजीब से संक्रमण काल से गुजर रहा है। जिस धरती की पहचान बड़ों के प्रति अगाध सम्मान और निःस्वार्थ सेवा थी, आज वहां की तस्वीर कुछ धुंधली और अलग हो गई है।

यह विडंबना ही है कि विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए हम अपने नैतिक मूल्यों को पीछे छोड़ आए हैं। नई पीढ़ी के व्यवहार में बड़ों के प्रति सम्मान, दिखावे की खोखली जिंदगी और बढ़ती नशाखोरी आज हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए गहरी चिंता का विषय बन गई है। आज का इंसान अपने वास्तविक स्वधर्म और मानवता को भूलकर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के दलदल में बुरी तरह फंस गया है। जिसके कारण समाज में नैतिक मूल्यों का पतन बड़ी तेजी से हो रहा है। भाईचारे की मिसाल कहे जाने वाले हरियाणा में इन दिनों ऐसी-ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे मानवता शर्मसार हो उठती है। सहनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि जरा-जरा सी बात पर खून-खराबा होना आम बात हो गई है। उदाहरण के तौर पर, अक्सर देखने में आता है कि खेत की एक इंच मेंढ या घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने जैसी मामूली बात पर वर्षों पुराने पड़ोसी या सगे भाई एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी पड़ोसी के दुख को अपना दुख समझा जाता था, लेकिन आज क्रोध और अहंकार ने विवेक को हर लिया है। भौतिक सुखों की अंधी दौड़ और खुद को रातों-रात अमीर बनाने की चाहत में माता-पिता अब अनजाने में ही सही, अपने बच्चों को वह समय नहीं दे पा रहे हैं, जो उनके चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य था। इसका परिणाम यह हुआ है कि संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए हैं; अलग-अलग चौखटें और अलग-अलग रास्ते हो गए

हैं। इस अलगाव का सबसे बड़ा और दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। जिस उम्र में उन्हें घर के बुजुर्गों के सानिध्य में स्नेह, सहयोग, तालमेल और रिश्तों की मिठास सीखनी चाहिए थी, उस कच्ची उम्र में वे मोबाइल की दुनिया में अकेलेपन के साथी बन गए हैं। वे बेढंगी और अर्थहीन 'रील्स' देख रहे हैं और खुद भी वैसा ही बनावटी जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं। इस जलती आग में घी डालने का काम किया है, नए दौर के हरियाणवी गानों ने। साहित्य और संगीत, जो कभी समाज का दर्पण हुआ करते थे, आज पथभ्रष्ट हो चुके हैं। इन गीतों की भाषा शैली न केवल असभ्य है, बल्कि यह लेखकों की परवरिश और उनके संस्कारों पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती है। गीतों में जेल, पिस्तौल, बदमाशी, मार-काट और शराब जैसे शब्दों का प्रयोग और महिमामंडन इस प्रकार किया गया है, जिससे प्रभावित होकर युवा वर्ग इसे ही जीवन का 'सच्चा सुख' और 'रुतबा' मान बैठा है। तकनीकी और पैसे के इस दौर ने माता-पिता से जहाँ उनके बच्चे छीन लिए, वहीं माता-पिता भी अपनी व्यस्तताओं के चलते अपने बच्चों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। संवादहीनता के इस दौर में सहनशीलता पूरी तरह ख़त्म हो गई है। आज के बच्चे जीवन के छोटे-छोटे संघर्षों और बुरे समय का सामना करने से डरते हैं। उनकी मानसिक स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि परीक्षा में थोड़े कम अंक आ जाएं या कोई मनचाही वस्तु न मिले, तो वे आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पास कोई अपना ऐसा नहीं है जिससे वे मन की बात कर सकें, कोई समझाने वाला नहीं है जो उन्हें बताए कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। ऐसे में यह प्रत्येक माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों के प्रति सजग रहें। घर से बाहर कदम रखते बच्चों के बारे में माता-पिता को यह पता होना ही चाहिए कि हमारा बच्चा कहाँ है, किसके साथ उठ-बैठ रहा है और वह क्या करता है?

> **अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक गति देना आवश्यक है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम पहले एक स्वस्थ और संस्कारवान माहौल तैयार करें और उसकी शुरुआत अपने घर से करें। महँगे संसाधनों से ज्यादा बच्चों को हमारे 'समय' और 'साथ' की जरूरत है। हम अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा जरूर दें, लेकिन उसके साथ सुसंस्कारों की नींव भी रखें। जब तक शिक्षा और संस्कार का मेल नहीं होगा, तब तक हम एक सुखी और सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अंततः, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा ताकि हरियाणा का वह खोया हुआ सौहार्द और प्रेम पुनः लौट सके।**

हरियाणा की माटी से निखरी कला-साधिका ममता शर्मा

कलाकार | **दिनेश शर्मा 'दिनेश'**

अंधेरी रात जब बीते उजाला लौट आता है,
अमावस का अंधेरा भी कभी ना रोक पाता है।
करे कोशिश अगर कोई, सफलता मिल ही जाती है;
इरादे हों अटल जिसके, जमाना सिर झुकाता है।

कुछ ऐसी ही होती है जीवन में संघर्षों से होकर सफलता तक पहुँचने की कहानी। यदि हौसलों में उड़ान हो तो अभाव केवल पड़ाव बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति के फलक पर शोभित लोक कलाकार ममता शर्मा ने यह सिद्ध करके दिखाया है। एक श्रमिक परिवार की बेटी से लेकर आज अनगिनत मंचों की शान बनने तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी है।रोहतक जिले के गाँव मुरादपुर टेकना में एक अत्यंत साधारण और कृषक परिवार में जन्मी ममता का बचपन आर्थिक तंगी में गुज़रा।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी कर घर का खर्च चलाते थे। वे भले ही अक्षरज्ञान से दूर थे, किंतु अपनी संतानों को संस्कार और स्वाभिमान का पाठ पढ़ाना भली-भांति जानते थे। ममता बताती हैं, "दरिद्रता हमारे घर की चौखट पर अवश्य थी, किंतु मेरे माता-पिता ने हमारे आत्मबल को कभी विपन्न नहीं होने दिया।" ममता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा (आठवीं तक) गाँव के ही सरकारी विद्यालय से तथा दसवीं की परीक्षा मोखरा गाँव से

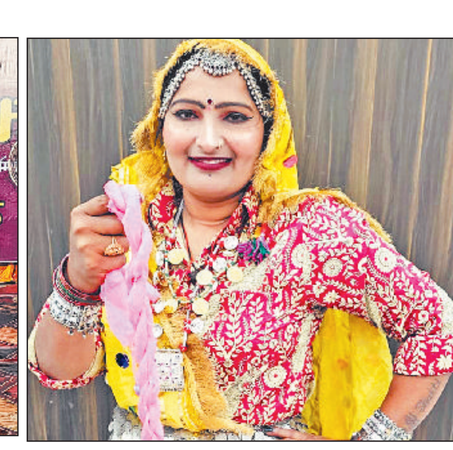

उत्तीर्ण की। बाल्यकाल से ही उनके मन में हरियाणवी संस्कृति, मटका दौड़, नाटक और पारंपरिक वेशभूषा के प्रति गहरा अनुराग था। विद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में वह अपनी कला का लोहा मनवाती रहीं। किंतु नियति को कुछ और ही स्वीकार था।घर की विषम परिस्थितियों के चलते, महज 15 वर्ष की अल्पायु में ही उन्हें गृहस्थी के बंधन में बाँध दिया गया। उनका विवाह हिसार के निकट स्थित गाँव बांस में हुआ। एक हँसती-खेलती किशोरी ने सिर पर घूँघट और घर-गृहस्थी की बड़ी जिम्मेदारियों के बीच अपने कलाकार मन को एक लंबी चुप्पी में कैद कर लिया। ममता अतीत के पन्ने पलटते हुए कहती हैं, "विवाह के उपरांत नए दायित्व थे, संतान सुख था और भरा-पूरा परिवार था। मैंने सब कुछ संभाल लिया, किंतु हृदय के किसी कोने में एक कसक बाकी थी कि मेरा सपना अधूरा है। मुझे अपनी लोक-परंपरा के संरक्षण के लिए कुछ करना है।"

बदलते समय के साथ ममता के सपनों को नया जीवन मिला। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, ठेठ बोली और सादगी से भरे वीडियो साझा करने शुरू किए। उनकी सहजता और लोककला ने जनमानस को प्रभावित किया और वह अत्यंत लोकप्रिय हो गईं।उनका मानना है कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पति सुरेश शर्मा का है। हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में जहाँ प्रायः वधुओं की प्रतिभा चूल्हे-चौके तक सिमट जाती है, वहीं ममता के पति ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल ममता की कला का साथ दिया, बल्कि उनकी अधूरी शिक्षा को भी पुनः आरंभ कराया। एक वर्ष पूर्व उन्होंने ममता का बारहवीं कक्षा में नामांकन करवाया। ममता का कहना है, "सीखने की कोई समय-सीमा नहीं होती। आज मैं अध्ययन भी कर रही हूँ, गृहस्थी भी संभाल रही हूँ और मंच पर भी सक्रिय हूँ। मेरा उद्देश्य उन महिलाओं में चेतना जगाना है जो विवाह के उपरांत अपने स्वप्नों को तिलांजलि दे देती हैं।"इसी संदर्भ में वह भावुक होकर कहती हैं, "आज यदि मैं समाज के समक्ष चमक रही हूँ, तो इसमें मेरी मेहनत से अधिक मेरे पति का त्याग है। वे मुझे प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयं छोड़कर जाते हैं और ससम्मान वापस लाते हैं। ससुराल में आकर यदि उनका साथ न मिलता, तो मैं कभी भी घर की देहली नहीं लांघ पाती।

गुरु का सान्निध्य और शिक्षा की नई अलख

ममता की प्रतिभा को वास्तविक विस्तार पद्मश्री महावीर गुड्डू के सान्निध्य से मिला, जिन्होंने उनकी कला को तराशा और उन्हें प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। वह 'इंडियाज़ गॉट टैलेंट' जैसे बड़े मंच पर भी हरियाणवी संस्कृति का परचम लहरा चुकी हैं। अब वह विदेशों में भी हरियाणवी संस्कृति का ध्वज फहराने की तैयारी कर रही हैं। ममता शर्मा का लक्ष्य केवल प्रशंसा बटोरना नहीं है। उनकी आँखों में एक बड़ा सपना तैर रहा है। वह दृढ़ता से कहती हैं, "मेरी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब हरियाणवी लोक कला, हमारा परिधान और हमारे संस्कार हिंदी सिनेमा से लेकर विदेशी मंचों तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। यह मेरा स्वप्न मात्र नहीं, अपितु संकल्प है।"

खबर संक्षेप

भिवानी। वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली के लिए रवाना होते कार्यकर्ता।

भिवानी से वोट चोर-गद्दी छोड़ रैली में पहुंचे कांग्रेसी

भिवानी। रविवार को देश की राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली में शामिल होने के लिए भिवानी से कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जन-सैलाब उमड़ पड़ा। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज सिंह के नेतृत्व में एमसी कॉलोनी से सैकड़ों कार्यकर्ताओं का जत्था पूरे जोश-खरोश के साथ दिल्ली के लिए रवाना हुआ। एमसी कॉलोनी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं जुटे और फिर रैली में पहुंचे।

सट्टा खाईवाली करता युवक किया गिरफ्तार

भिवानी । बवानीखेड़ा पुलिस ने गत 13 दिसंबर को गांव दुर्जनपुर में सार्वजनिक स्थान पर सरेआम सट्टा खाईवाली कर रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना बवानी खेड़ा के उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने अपनी पुलिस टीम के बस अड्डा, गांव दुर्जनपुर के पास आरोपी को दबोचा था। आरोपी की पहचान छिन्दा राम पुत्र श्यामलाल निवासी दुर्जनपुर थाना बवानीखेड़ा के रूप में हुई है।

परमाणु क्षेत्र में एफडीआई का जताया विरोध

भिवानी। मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी की भिवानी जिला कमेटी ने केंद्रीय कैबिनेट के परमाणु ऊर्जा उत्पादन को निजी और विदेशी कंपनियों के लिए खोलने के फैसले का विरोध जताया तथा कहा कि यह बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने के कैबिनेट के फैसले को भी नामंजूर करती है। माकपा के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने संसद के मौजूदा सत्र में परमाणु ऊर्जा अधिनियम-1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम-2010 में संशोधन करने का फैसला किया है। प्रस्तावित संशोधनों का मकसद विदेशी प्रौद्योगिकी और उपकरण आपूर्तिकर्ताओं सहित निजी कंपनियों को प्रवेश की अनुमति देना है।

कामरेड ओमप्रकाश

35 बोतल अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। स्पेशल स्टाफ ईशरवाल की टीम ने गत 13 दिसंबर को गांव सिपर में रेड कर एक व्यक्ति को अवैध हथकढ़ शराब सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार की टीम ने ड्यूटी के दौरान सिपर मोड़ जमालपुर से आरोपी को दबोचा है। आरोपी की पहचान मंगल सिंह निवासी जिला फतेहाबाद, हाल निवासी गांव सिपर के रूप में हुई है।

विधायक ने दुखद घटना पर संवेदना जताई

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने गांव भागवी के समीप निजी स्कूल बस और रोडवेज बस हादसे में मृतक छात्रा और घायलों के प्रति संवेदना जताई है। विधायक ने बताया कि मैं जरूरी कार्य से चंडीगढ़ में था तो अपनी प्रतिनिधी टीम को निजी व सरकारी अस्पतालों में भेजा और घटना की जानकारी लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि घटना को देखते हुए जिला प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

अंबेडकर समाज कल्याण ट्रस्ट की हुई बैठक

बाढ़ड़ा। कस्बे के रविदास मंदिर में रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण ट्रस्ट बाढ़ड़ा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के प्रधान महावीर कारी मोद ने की। बैठक में समाज के प्रबुद्ध लोगों ने भाग लेकर सामाजिक सुधार से जुड़े अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

जलभराव के कारण चोटिल हो रहे वाहन चालक, ग्रामीणों में रोष

दिनोद बस स्टैंड बना गंदे पानी का तालाब, यात्री व राहगीर परेशान

बसों के इंतजार में विद्यार्थियों को गंदे पानी में होना पड़ रहा खड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विकास के तमाम दावों के बीच गांव दिनोद का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों बदहाली के आंसू बहा रहा है, यहां पसरा गंदा पानी और कीचड़ न केवल गांव की सुंदरता पर ग्रहण लगा रहा है, बल्कि आम जनजीवन के लिए बड़ी मुसीबत बन चुका है। आलम ये है कि बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए खड़े होने तक की जगह नहीं बची है। बस स्टैंड पर जमा गंदा पानी यात्रियों के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह-शाम स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों और काम पर जाने वाले लोगों को बस का इंतजार करने के लिए गंदे पानी के बीच खड़ा रहना पड़ता है और जब बस आती है तो चढ़ने के लिए यात्रियों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जो काफी परेशानी भरा होता हैं।

भिवानी। गांव दिनोद में बस स्टैंड के नजदीक जमा गंदा पानी। फोटो : हरिभूमि

दुकानदारों ने बताया कि जलभराव की वजह से सड़क पर फिसलन बहुत बढ़ गई है। दुकानदार दानसिंह तंवर ने स्थिति की गंभीरता बयां करते हुए कहा कि आए दिन दोपहिया वाहन रिपटकर गिर जाते हैं, जिस वजह से कई लोगों को गंभीर चोटें आ चुकी हैं। यह पानी सिर्फ गंदा ही नहीं है, बल्कि अब जानलेवा साबित हो रहा है। इस समस्या को लेकर कई बार मौजूदा सरपंच से बातचीत की गई और नालों की सफाई करवाने का अनुरोध किया और प्रशासन से भी अनुरोध किया, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बदबू के कारण सांस लेना दूभर

दुकानदार रतिपाल तंवर ने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को उजागर करते हुए कहा कि गंदा पानी एकत्रित होने से यहां भारी तादाद में मच्छर पनप रहे हैं। बदबू के कारण सांस लेना भी दूभर हो गया है, अगर जल्द ही इसकी सुध नहीं ली गई तो गांव में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैल सकती हैं और जिला प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ेगा। ग्रामीणों और स्थानीय दुकानदारों ने प्रशासन के खिलाफ रोष जताया और जल्द से जल्द नालों की सफाई करवाने और पानी की निकासी का उचित प्रबंध करने की मांग की, ताकि लोगों को नरकीय जीवन से मुक्ति मिल सके।

भगवान परशुराम चौक का विधायक व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन

■ संस्कृति एवं संस्कारों की पहचान होती महापुरुषों की प्रतिमाएं : सर्राफ

भिवानी। भगवान परशुराम चौक का उद्घाटन करते विधायक घनश्याम दास सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह।

भिवानी। शहर के प्रमुख महम गेट स्थित भगवान परशुराम चौक के नवनिर्माण एवं सौंदर्यीकरण के बाद इसका विधिवत उद्घाटन विधायक घनश्यामदास सर्राफ व नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ रिबन काटकर चौक को जनता को समर्पित किया। इस मौके पर नगर परिषद वाइस चेयरपर्सन प्रतिनिधि संदीप तंवर व पार्षद अंकुर कौशिक भी मौजूद रहे। पार्षद पार्षद अंकुर कौशिक ने बताया कि भगवान परशुराम चौक का निर्माण मूल रूप से वर्ष 2008 में हुआ था। समय के साथ जीर्णोद्धार और आधुनिक स्वरूप देने की आवश्यकता महसूस की गई। हाल ही में इस चौक का भव्य सौंदर्यीकरण कार्य पूरा किया, जिससे महम गेट क्षेत्र की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक और नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने महम रोड पर जल्द ही पंडित सीताराम शास्त्री द्वार का निर्माण करवाने की घोषणा की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक घनश्यामदास सर्राफ और नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शहर के विकास में महापुरुषों के सम्मान को सर्वोपरि बताया। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल उसकी ऊंची इमारतों या सड़कों से नहीं, बल्कि वहां की संस्कृति और संस्कारों से होती है। महापुरुषों के नाम पर चौक-चौराहों का निर्माण और उनका सौंदर्यकरण केवल ईंट-पत्थर का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारी युवा और भावी पीढ़ी को उन महान विभूतियों के आदर्शों, त्याग और तपस्या से जोडने का एक सशक्त माध्यम है। भगवान परशुराम न्याय और शौर्य के प्रतीक हैं, और यह चौक सदैव हमें उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, सुनील शास्त्री, संजय शर्मा, पार्षद जयवीर सिंह रंगा, पार्षद प्रतिनिधि मदन तंवर, बिल्लू बादशाह, जय भगवान शर्मा, सिल्कराम शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

ढाना लाडनपुर में महाराजा शूरसैनी जयंती पर हुआ सत्संग

भिवानी। रविदास समाज कल्याण ट्रस्ट आश्रम ढाना लाडनपुर व नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा शूरसैनी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत गांव ढाना लाडनपुर में सत्संग का आयोजन किया। सत्संग का सानिध्य रविदास समाज कल्याण ट्रस्ट के चेयरमैन दलवीरानंद महाराज का रहा। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में विधायक घनश्यामदास सर्राफ पहुंचे। वक्ताओं ने महाराजा शूरसैनी के जीवन, उनके आदर्शों एवं समाज के प्रति किए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि महाराजा शूरसैनी जैसे महापुरुषों के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सही दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महाराजा शूरसैनी के साथ-साथ संत शिरोमणि गुरु रविदास एवं अन्य संतों की शिक्षाओं पर विचार रखते हुए कहा कि संतों की वाणी सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश देती है।

भगवान श्रीराम का जीवन कर्तव्य पालन की देता है सीख : बाबा

भिवानी। कमला धर्मशाला में दीवान परिवार की ओर से 10 से 18 दिसंबर तक आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक फलाहारी बाबा ने भगवान श्रीराम की मर्यादाओं, आदर्शों और जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति को सत्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला जीवन दर्शन है। कथा व्यास फलाहारी बाबा ने श्रीराम के जीवन प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि मर्यादा, त्याग, आज्ञाकारिता और सहनशीलता जैसे गुणों के कारण ही भगवान श्रीराम 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहलाए। उन्होंने कहा कि पिता की आज्ञा के पालन में वनवास स्वीकार करना, राजपाट का त्याग करना और हर परिस्थिति में धर्म का साथ निभाना आज के समाज के लिए भी अनुकरणीय है। वर्तमान समय में जब समाज नैतिक मूल्यों से भटकता दिखाई दे रहा है, तब श्रीराम का जीवन हमें सत्य, धर्म व कर्तव्य के मार्ग पर चलने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने जीवन में श्रीराम की मर्यादाओं को उतार लें, तो परिवार, समाज और राष्ट्र स्वतः ही सशक्त हो सकते हैं। सत्य एवं धर्म का पालन कर ही व्यक्ति अपने चरित्र का निर्माण कर सकता है। श्रीराम की कथा सुनने से मन निर्मल होता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। कार्यक्रम में समाजसेवी मनोज दीवान ने कहा कि माघ मास में कथा वृतांत सुनने से पुण्य मिलता है।

विकास कार्यों की समीक्षा के लिए सिंचाई मंत्री ने ली बैठक

भिवानी। अधिकारियों से चर्चा करती सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी।

■ बरसाती पानी की निकासी प्रबंध और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

तोशाम। प्रदेश की सिंचाई तथा जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी की अध्यक्षता में सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी तथा लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क) के अधिकारियों की चंडीगढ़ में बैठक हुई। बैठक में तोशाम खंड के विकास एवं बाढ़ राहत कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए की तोशाम में चल रही विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। इसके साथ ही तोशाम में जल भराव से प्रभावित क्षेत्र में जमा बरसाती पानी की निकासी अतिशीघ्र की जाए। अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए श्रुति चौधरी ने कहा कि तोशाम क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के कारण, बाढ़ के पानी का कोई प्राकृतिक निकासी नहीं है, और जलनिकासी विशेष रूप से भिवानी-घग्गर ड्रेन के माध्यम से की जाती है। बताया गया कि वर्ष 2024 के दौरान तोशाम ब्लॉक का कोई भी गांव बाढ़ से प्रभावित नहीं हुआ था। हालांकि वर्ष 2025 के दौरान 09 सितंबर तक 10 गांवों में 3,525 एकड़ भूमि बाढ़ से प्रभावित हुई थी, जिसमें 2 से 2.5 फीट तक जलभराव था। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सिंचाई विभाग के निरंतर प्रयासों से बाढ़ के पानी को प्रभावित क्षेत्रों से काफी हद तक हटा दिया गया है, और 12 दिसंबर तक तीन गांवों में केवल 65 एकड़ भूमि प्रभावित रही अर्थात गांव रिवासा में 05 एकड़, गांव डांग कलां में 20 एकड़ व अन्य गांवों में पानी भरा हुआ है।

न्यूज डायरी

कैंसर पीड़ितों की मदद के लिए 89 ने किया रक्तदान

भिवानी। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि।

भिवानी । महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष्य में सहारा चेरिटेबल ट्रस्ट और वंशिका फाउंडेशन ने रविवार को संयुक्त रूप से बड़ चौक के नजदीक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का मुख्य ध्येय कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को जीवनदान देना था। शिविर की गरिमा और चिकित्सा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एम्स बाड़सा से डॉ. अंकित के नेतृत्व में मैडिकल टीम यहां पहुंची। टीम की देखरेख में शहर के 89 युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान किया। शिविर में युवाओं की भागीदारी ने ये साबित कर दिया कि वे सामाजिक सरोकारों एवं पीड़ित मानवता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर हैं। शिविर के आयोजन के पीछे के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश मिताथल और शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि यह शिविर सामान्य रक्तदान शिविरों से थोड़ा अलग है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि कैंसर के उपचार के दौरान मरीजों, विशेषकर कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे लोगों को नियमित रूप से रक्त और प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है। समय पर रक्त न मिलने से कई बार उनकी जान पर बन आती है।

मनीषा सांगवान के नेतृत्व में वाहनों का काफिला पहुंचा

भिवानी। वाहनों को रवाना करतीं डॉ. मनीषा सांगवान। फोटो : हरिभूमि

चरखी दादरी। आज दिल्ली में कांग्रेस पार्टी द्वारा राहुल गांधी के आहवान पर आयोजित की गई वोट चोर गद्दी छोड रैली के लिए मनीषा सांगवान की अगुवाई में पूरे जिले से करीबन 100 से अधिक वाहनों का काफिला रवाना हुआ। कार्डिनेटर सतपाल दहिया द्वारा पूरे वाहनों के जत्थे को मार्गदर्शन दिया। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री डॉ मनीषा सांगवान ने कहा कि देश को सबसे बड़ा कोई खतरा ऐसी पार्टी से जो संविधान को पूरी तरह से खत्म करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। लोकतंत्र हमारे संविधान की आत्मा है और इसे मजबूत करने में प्रत्येक मतदाता का अहम योगदान है, लेकिन भाजपा इसी से डरी हुई है इसलिए वो वोट चोरी का हर हथकंडा अपना रही है। जब खुद देश का प्रधानमंत्री ही ऐसे लोगों के खिलाफ कुछ ना करे बल्कि उन्हें शह दे तो संविधान को बचाना कांग्रेस पार्टी का सबसे बडा धर्म व सबसे पहली प्राथमिक लड़ाई है।

भिवानी। श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व शोभायात्रा निकालती श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का मंगलमय शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| विानी

सिंघानिया धर्मशाला में आनंद ब्रादर्श सेवा समिति की ओर से आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ पर मूलचंद मंदिर से मंगलाचरण एवं कलश शोभायात्रा निकाली, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति भाव के साथ भाग लिया। शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए कथा स्थल तक पहुंचे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा वाचक राधेश्याम शास्त्री वृंदावन वाले ने कलश यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि माघ माह में भगवान की कथा का विशेष महत्व है। माघ माह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय माना गया है और इस दौरान श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अत्यंत शुभ व फलदायी होता है। उन्होंने कहा कि माघ माह में स्नान, दान, व्रत एवं भागवत कथा श्रवण से मनुष्य के समस्त पापों का नाश होता है, पितरों को शांति मिलती है और मन निर्मल होता है।

नौ साल से नाले का नहीं हुआ निर्माण, जुई रोड की सड़क पर बह रहा दूषित पानी

■ दुकानदारों के साथ- साथ वाहन चालक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

उपमंडल बनने के करीब नौ साल बाद भी बाढड़ा के मध्य मार्गों पर नालों का निर्माण नहीं हो सका है। इससे सड़कों पर पानी भरा रहता है। प्रतिदिन करीब सात हजार से ज्यादा लोग परेशानी झेलते हैं। सुधार नहीं हो रहा है। वहीं, बाढड़ा-दादरी रोड पर नाला तो बना है, लेकिन आगे कने1शन आज तक नहीं हो पाया है। बाढड़ा-सतनाली, झोझूकलां व बाढड़ा-जुई रोड पर नाले का निर्माण नहीं होने से सड़क पर दूषित पानी भरा हुआ है। इसके चलते कस्बे के दुकानदार व राहगीर परेशान हैं। दादरी रोड पर नाले का कने1शन नहीं होने के कारण समस्या है। दुकानदार बीर सिंह संभ्रवाल, रमेश सांगवान, सुनील, शेर सिंह, राकेश, डा. शेर सिंह, संदीप सांगवान, अभिषेक व धर्मेंद्र आदि ने बताया कि नाले का निर्माण नहीं होने से सड़क पर दूषित पानी भरा रहता है।

भिवानी। कस्बे के जुई रोड पर दुषित पानी की निकासी नहीं होने पर रोष जताते हुए दुकानदार।

रोड पर कई सरकारी कार्यालय

दुकानदारों ने बताया कि जुई रोड पर ही तहसील कार्यालय, बिजली बोर्ड, एसडीएम कार्यालय होने के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को आना-जाना होता है। अधिकारियों के संज्ञान में भी मुख्य मार्गों पर नालों की कमी का मुद्दा है। इसका अब तक समाधान नहीं हो पाया है, लेकिन फिर भी अधिकारी इस और कोई ध्यान नहींदे रहे है।

व्यापारी जल्द एसडीएम से मिलेंगे

व्यापार मंडल अध्यक्ष सुंदरपाल ने बताया कि दादरी-लोहारू रोड नेशनल हाईवे होने के कारण एनएचएआई के तहत आता है। जुई सतनाली रोड पर नालों के निर्माण को लेकर जल्द ही एसडीएम से मिलकर निर्माण की मांग करेंगे।

एचडी स्कूल में दी नवीनतम तकनीकों की जानकारी

भिवानी। शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते प्रशिक्षक।

थ्योरी ऑफ लर्निंग पर कार्यशाला आयोजित

चरखी दादरी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में एचडी स्कूल बिरोहड़ में एक दिवसीय कार्यशाला थ्योरी ऑफ लर्निंग का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और शिक्षण पद्धतियों से अवगत करवाना था, ताकि छात्रों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन डीम्पी आहूजा और एस केजिया कल्पलथा ने मुख्य वक्ता के रूप में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने गतिविधि-आधारित शिक्षण , रचनात्मकता, और कक्षा में व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर जोर दिया गया।

राकेश ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में जीता पदक

भिवानी। स्वीडन के स्टॉकहोम में 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित 7वीं नॉर्डिक ओपन वुशु चैंपियनशिप में आईएनएस तुनीर, एचक्यूडब्ल्यूएनसी, भारतीय नौसेना की तरफ से देश का प्रतिनिधित्व करते हुए राकेश 75 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। राकेश ने बताया कि प्रतियोगिता में 28 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय सभी वरिष्ठ अधिकारियों, सहयोगियो भारतीय नौसेना, आईएनएस तूणीर, पश्चिमी नौसेना कमान, एनएचक्यू डीपीसी दिल्ली और भारतीय वुशू संघ तथा महिला व कोच को देते हुए उनका आभार जताया।

प्रतिभा — ग्रैंड फिनाले के लिए 50 प्रतिभागियों का हुआ चयन

'कल के कलाकार सीजन-2' में बिखरे सुर और ताल के रंग

■ वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों की प्रतिभा का मेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में कल के कलाकार सीजन-2 के सेमीफाइनल का भव्य आयोजन किया। सेमीफाइनल में दो आयु वर्गो के में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें जूनियर वर्ग में 4 से 12 आयु वर्ष तथा सीनियर वर्ग 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की। इस दौरान देशभर से आए 130 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जिसमें से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 50 प्रतिभागियों को 28 दिसम्बर को होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित किया। कार्यक्रम का आयोजन कौशिक नाट्य नृत्य अकादमी भिवानी एवं चाणक्य कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में किया। इस दौरान मंच पर भारत के अलग-अलग राज्यों की लोक संस्कृति के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की भी झलक देखने को मिली। नन्हें एवं युवा कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों और निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में बतौर अतिथि प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़, प्राइवेट स्कूल वेलफेयर प्रधान रामअवतार शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, प्राचार्या श्वेता कौशिक आदि ने शिरकत की। प्रतियोगिता में निष्पक्ष निर्णय की जिम्मेदारी निर्णायक मंडल की सदस्य खुशबू कालरा व प्रीति ने निभाई। वहीं मंच का कुशल संचालन दीपमाला शर्मा व मीनल ने किया। कड़े मुकाबले के बाद जजों ने फाइनल राउंड के लिए 50 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया। आयोजक मंडल ने घोषणा की कि कल के कलाकार सीजन-2 का ग्रैंड फिनाले 28 दिसंबर को भिवानी में ही होगा।

भिवानी। वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में कल के कलाकार सीजन-2 के सेमीफाइनल में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनिल शर्मा वत्स, पवन कौशिक, कलाकार यशवी, इप्शिता कौशिक, मुकेश वत्स, मेघा शर्मा, मधु रानी, निखिल गुप्ता, वैशाली, मीनल, शिल्पा, नरेश बेनीवाल, पिंकी और भारती आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

रोटरी क्लब ने लगाई गोवंश के लिए सवामणी

नारनौल। रोटरी क्लब सिटी की ओर से गोमाता की सेवा के लिए मुहीम के तहत रविवार को चौथी सवामणी का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन रोटेरियन प्रवीण संघी ने किया। मुहीम के इंचार्ज रोटेरियन नवीन गुप्ता की देखरेख में सभी सदस्यों ने गोमाता को हरी सब्जियां खिलाकर पुण्य लाभ लिया। प्रवीण संघी की माताजी कमला देवी संघी ने गोसेवा करते हुए कहा कि गोमाता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म कार्य नहीं है, गोमाता के संरक्षण के लिए क्षेत्र के अन्य जागरूक लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

यदुराइज परीक्षा और सांस्कृतिक प्रतियोगिता

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन की ओर से शैक्षणिक सत्र में यदुराइज परीक्षा व सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता के साथ उनकी रचनात्मक, सांस्कृतिक व बौद्धिक क्षमताओं का सर्वांगीण विकास करना रहा। इस अवसर पर कक्षा एक से 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए यदुराइज परीक्षा का आयोजन किया गया।

संगठित समाज ही बना पाता है अपनी पहचान

मंडी अटेली। जब समाज संगठित होता है तो वह न केवल अपनी पहचान को सुरक्षित करता है, बल्कि अपने हितों की रक्षा भी करता है। अग्रवाल वैश्य समाज की यह संगठनात्मक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि संगठित समाज ही वास्तव में शक्ति की पहचान है। ये उद्गार अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने मंडी अटेली की ताजपुरिया धर्मशाला में आयोजित महेन्द्रगढ़ जिले के संगठन संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए कहे।

मालवीय स्वतंत्रता सेनानी शिक्षाविद व समाज सुधारक थे

नारनौल। मोहल्ला चौधरियान स्थित श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के प्रांगण में रविवार को भारतरत्न महामना मदनमोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तथा गीता महोत्सव आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट पाली के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे, जबकि अध्यक्षता विधायक ओमप्रकाश यादव ने की।

नारनौल में नालियों की सफाई करने उपरांत गंदगी नहीं उठाने तथा पार्कों की दुर्दशा पर की वरिष्ठ नागरिकों ने चिंता व्यक्त

वरिष्ठ नागरिक बोले, जिला नगर आयुक्त की उनके मातहत कर्मचारी भी नहीं सुनते, करेंगे धरना और प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित संगठन कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में प्रधान दुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। परम्परानुसार जिन सदस्यों का जन्मदिन बैठक के माह में आता है, उन उपस्थित सदस्यों महावीर प्रसाद अग्रवाल, मास्टर जयदयाल, रामनिवास सैनी और रविन्द्र कुमार चौधरी को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया और उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु होने की कामना की गई।

नारनौल। मीटिंग को संबोधित करते प्रधान दुलीचंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

बैठक में प्रभातीलाल मुदगिल ने बताया कि मेहता चौक से सैनी कांटा तक रोड कई जगह तोड़ी गई है, इसे ठीक किया जाए। रामनिवास सैनी ने बताया कि सीवर की सफाई के बाद गंदगी को शीघ्र नहीं उठाया जाता है और कई-कई दिन तक गंदगी ज्यों की त्यों पड़ी रहती है। सुभाष सिंघल ने बताया कि धौलियों की सिल्ली के पास श्याम मंदिर के पास गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे मंदिर में आने-जाने वालों को बहुत दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। यह गंदा पानी नालियों के चौक हो जाने पर बाहर सड़क पर आ जाता है। बैठक में यह भी ध्यान में लाया गया कि महाबीर चौक पर सिग्नल लाइट न होने पर वहां तैनात पुलिस कर्मचारी ट्रैफिक को ठीक प्रकार से नियन्त्रित नहीं कर पाते। इसलिए महाबीर चौक पर सिग्नल लाइटें तुरंत लगवाई जाएं। इसके साथ-साथ राजीव चौक के पास भरे हुए गंदे पानी को भी निकलवाया जाए।

यह रहे मौजूद

बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया। बैठक में शिवहरि अग्रवाल, संयुक्त सचिव सोहनलाल चौहान, कोषाध्यक्ष बीएल सैनी, भागीरथ प्रसाद, बिशन सिंह यादव, जसवंत सिंह यादव, सत्यनारायण गुप्ता, ब्रह्मप्रकाश रोहिल्ला रामजीलाल मित्तल, बद्री प्रसाद गर्ग, सुरेश भारद्वाज, शिवलाल वर्मा, देवीदयाल, उमादत्त शर्मा, हरिराम गुप्ता, चेतन स्वरूप, बाबूलाल गोयल, गिरधारीलाल दायमा, रविन्द्र कुमार चौधरी, रामनिवास सैनी, सुभाष सिंघल, महावीर प्रसाद अग्रवाल व मास्टर जयदयाल आदि उपस्थित रहे।

शहर के पार्कों की हालत खराब

शहर के सबसे बड़े सुभाष पार्क की सफाई व अन्य समस्याओं के बारे में संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने बताया कि गत 26 नवंबर को उनके अनुरोध पर जिला नगर आयुक्त ने सुभाष पार्क का स्वयं जाकर निरीक्षण किया था पाया कि पार्क में सफाई नहीं हो रही। जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। पार्क में लगभग एक मास पहले लगे पोल पर लाइटें नहीं लगाई गई हैं। पार्क की लाइट चालू करने के लिए कोई चैम्बर बनाकर उसमें लाइटें जलाने व बन्द करने की व्यवस्था ठीक नहीं है। इसी तरह पार्क में बने फव्वारे के लिए पानी चलाने का स्टार्टर भी बिना किसी चैम्बर में लगाने की बजाय खुले में पड़ा है। पार्क की पूर्वी दिशा में वाटर हट के पास एक टूटा हुआ पोल सड़क के बीच खड़ा है। इन सब कमियों को तुरंत दूर करने के लिए जिला नगर आयुक्त महोदय ने उनके साथ आए कर्मचारियों को निर्देशित किया था, किन्तु वर्णित समस्याओं में से किसी का भी अभी तक समाधान नहीं हुआ है। अतः जिला नगर आयुक्त पार्क की सफाई के साथ-साथ वर्णित सभी समस्याओं का तुरंत निराकरण करवाएं अन्यथा वरिष्ठ नागरिक मजबूर होकर इन समस्याओं के समाधान के लिए नगर परिषद पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी नगर परिषद की होगी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर प्रशासन की सख्ती से हड़कंप

चेतावनी के बाद दुकानदारों ने शेड, अवैध निर्माण और सड़क पर रखे सामान को हटाना शुरू किया

- अतिक्रमण हटने से यातायात हुआ सामान्य, लोगों को आवागमन में मिली काफी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत प्रशासन की सख्ती का असर बाजार में दिखाई देने लगा है। प्रशासनिक चेतावनी के बाद बाजार के अधिकांश दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपने शेड, अवैध निर्माण और सड़क किनारे रखे सामान को हटाना शुरू कर दिया। इससे न केवल मुख्य सड़क चौड़ी हुई हैं, बल्कि यातायात भी सुचारू होने लगा है। सुबह से बाजार में गतिविधि तेज हो गई और दोपहर तक सड़क किनारे का अधिकांश हिस्सा पूरी तरह खाली हो गया। इससे यातायात सामान्य हो गया और लोगों को आवागमन में काफी राहत मिली। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अतिक्रमण हटने से जाम की समस्या में बड़ी कमी आएगी, खासकर त्योहारों के समय। शहर के दुकानदारों का कहना है कि प्रशासन ने समय रहते चेतावनी दी, इसलिए हमने खुद ही शेड हटा लिया। यह कदम सबके हित में है।

बता दें कि शहर के दुकानदारों ने लंबे समय से अवैध चबूतरे व सड़क पर कब्जा जमाए बैठे थे। ऐसे में नगर पालिका प्रशासन ने बीते दिनों से अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया हैं। एसडीएम कनिका गोयल स्वंय बाजार में डोर–टू–डोर जाकर अतिक्रमण किए बैठे दुकानदारों के करीब 20 लाख रुपये तक के चालान किए गए। मोटे चालान से नाराज दुकानदारों ने लघुसचिवालय में बैठक कर एसडीएम से मुलाकात की। इसके बाद एसडीएम कनिका गोयल ने एक प्रतिनिधि मंडल से मिलकर 15 दिन का समय दिया गया और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। अब सोमवार को 15 दिन का समय बीतने वाले हैं। ऐसे में दुकानदार स्वयं अपना बाहर रखा सामान दुकान के भीतर रखने लगे हैं। इसके अलावा कई दुकानदारों ने अवैध चबूतरे का निर्माण किया हुआ वह भी स्वयं चबूतरे तोड़ने लगे। ऐसे में दुकानदारों में प्रशासन का खौफ देखने को मिल रहा हैं।

महेंद्रगढ़। अतिक्रमण हटने के बाद खुला–खुला हुआ बाजार। व महेंद्रगढ़। दुकानदार स्वयं चबूतरे हटाते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रशासन की इस खौफ की वजह से शहर के बाजार फिलहाल खुले–खुले नजर आ रहें हैं। हालांकि शॉपिंग कॉम्पलैक्स के अधिकतर दुकानदारों ने प्रशासन की चेतावनी के बाद भी बरामदे खाली नहीं किए हैं। अब सोमवार को प्रशासन की होने वाली कार्रवाई में इनका असर देखने को मिलेंगा।

जाम मुक्त करना लक्ष्य

एसडीएम कनिका गोयल ने कहा कि दुकानदार द्वारा सड़कों पर सामान रखने की वजह से शहर में जाम लगते हैं और राहगीर भी परेशान होते हैं।

इसलिए दुकानदार अपना सामान सड़कों पर न रखें। उन्होंने कहा कि दुकानदार अपना स्थाई अतिक्रमण जल्द से जल्द हटा ले। महेंद्रगढ़ शहर को कचरा मुक्त व जाम मुक्त शहर बनाना उनका मुख्य उद्देश्य है। शहर के सब्जी मंडी, बस स्टैंड इत्यादि स्थानों पर प्रतिदिन सफाई की जा रही है और जाम का कारण बनने वाले दुकानदारों व रेहड़ी चालकों को भी सड़क किनारों पर अतिक्रमण ना करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने दुकानदारों व आमजन से भी आग्रह किया है कि वे कचरे को अधिकृत स्थान पर ही डालें। इधर-उधर कचरा ना फैंकें क्योंकि इससे गंदगी फैलेगी, जिससे नागरिकों को ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दोनों तरफ से अतिक्रमण से सड़क हुई सकरी

बता दें कि प्रशासन की कार्रवाई से पहले शहर के रेलवे रोड, आईटीआई रोड व सिनेमा रोड हो या फिर बाजार, हर जगह अतिक्रमण से जाम की समस्या बनी रहती थी। दुकानदार सामान को दुकान के कई फुट बाहर तक लगा लेते थे। इसके बाद जब ग्राहक दुकान पर खड़ा होता है, वह भी स्थान घेरता था। मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण के चलते सड़क काफी संकरी हो जाती थी। ऐसे में राहगीरों एवं वाहनों के निकलने को स्थान नहीं मिलता और जाम के हालात बन जाते थे। शहर के सब्जी मंडी रोड व शॉपिंग कॉम्पलैक्स में अतिक्रमण की भरमार थी। ऐसे में यहां राहगीरों को चलने के लिए भी रास्ता नहीं मिल पाता था। शहर में सबसे अधिक समस्या सिनेमा रोड, रेलवे रोड, 11 हट्टा बाजार, सब्जी मंडी रोड, आईटीआई रोड, सराफा बाजार, माता मसानी चौक सहित अन्य स्थानों पर दुकानदारों ने सड़क पर कब्जा किया हुआ था।

खबर संक्षेप

आरपीएस विद्यालय में सुपर 30 स्कॉलरशिप परीक्षा में छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय में सुपर 30 स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए एक मजबूत शैक्षणिक मंच प्रदान करना है। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने बताया कि इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर कक्षा 11वीं के विभिन्न संकायों मेडिकल, नॉन-मेडिकल, कॉमर्स और आट्र्स (मनिटीज) के लिए कुल 120 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को सुपर 30 बैच के तहत कक्षा 12वीं तक अपने प्रदर्शन के आधार पर आरपीएस विद्यालय में पूरी तरह से निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य उन विद्यार्थियों को अवसर देना है जो परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण अपनी प्रतिभा को सही मंच नहीं दे पाते। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि संस्था का मुख्य लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को सर्वोत्तम शिक्षा देना है, ताकि समाज के हर वर्ग के बच्चों का सपना पूरा हो और वे देश-विदेश में नाम रोशन कर सकें।

यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें ड्राइंग, कविता पाठ, भाषण एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता शामिल रही। वहीं कक्षा छठी से 11 तक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा में भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और विद्यालय की इस पहल की सराहना की। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज यदुवंशी स्कूल में यदुराइज कार्यक्रम के प्रथम चरण के अवसर पर मुझे अत्यंत गर्व और खुशी का अनुभव हो रहा है। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनां दी और सभी अभिभावकों का धन्यवाद भी किया। कार्यक्रम में ग्रुप वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना दी।

गोल्ड मेडलिस्ट सचिन अग्रवाल ने किया लाइब्रेरी का उद्घाटन

नारनौल। गांव खटोटी खुर्द में कान्हाजी लाइब्रेरी का उद्घाटन कौन बनेगा करोड़पति में भाग लेने वाले सचिन अग्रवाल ने किया। गांव खटोटी खुर्द व आसपास के प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प यहां पर उपलब्ध हुआ है। इस अवसर पर सचिन अग्रवाल ने कहा कि समय समय पर बच्चों को मार्गदर्शन देंगे। आईआईटीएन वैज्ञानिक और बुद्धिजीवी वर्ग के लोग भी यहां मार्गदर्शन हेतु आते रहेंगे। यह स्थान न केवल सुरक्षित वातावरण देता है, बल्कि आपके भविष्य को बदलने का मंत्र यहां प्राप्त होने वाला है। जिला समन्वयक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि आज के समय में युवाओं का सबसे बड़ा दुश्मन मोबाइल और नशा है। इन दो बुराइयों से बचने का सबसे बेहतर तरीका पुस्तकालय है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज गौड़ ने किया, उन्होंने युवाओं से कहा कि पुस्तकें आपकी सबसे महत्वपूर्ण साथी हैं। इस मौके पर कुंदन सिंह चौहान, शैतान सिंह, पूर्व सरपंच बेगराज शर्मा, पप्पू शर्मा, राकेश शर्मा, मांगेसिंह नंबरदार, सतपाल सिंह सांखला, धर्मपाल सिंह, सोना सिंह, वीरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, मास्टर अशोक कुमार, बिजेंद्र कुमार, संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

केबीसी में भाग लेने पर सचिन अग्रवाल व गोल्ड मेडल विनर आदेश जैन सम्मानित

नारनौल। श्री महाराजा अग्रसेन क्लब हुडा द्वारा एक सम्मान समारोह क्लब के कार्यालय में किया गया, जिसमें लक्खीराम अग्रवाल के सुपौत्र सचिन अग्रवाल के 'कौन बनेगा करोड़पति' में सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर पहुंचने पर एवं गोल्ड मेडल विनर रसिया आदेश जैन को सम्मानित किया गया, जिसमें हुडा क्लब के कार्यकारणी सदस्य एवं शहर की गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि सचिन अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा के बल पर अपने माता-पिता परिवार के साथ-साथ अग्रवाल समाज का नाम रोशन किया है। आदेश जैन ने मेडिकल क्षेत्र में नाम रोशन किया है, यह बहुत ही गौरव की बात है। कार्यक्रम संयोजक क्लब के प्रधान अनिल गुप्ता एडवोकेट ने आए हुए सभी गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था, हार का ठीकरा फोड़ रही कांग्रेस : प्रो. रामबिलास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उस पर हार का आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी अपनी खीझ मिटाने का काम कर रही है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाने से कांग्रेस को कोई लाभ नहीं मिलने वाला। प्रो. शर्मा ने प्रेस के नाम जारी बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर में लगातार घट रहे अपने जनाधार से हताश होकर इस तरह के आरोप लगा रही है। इसी कड़ी में दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली भी पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई, जिसमें लोगों ने कोई खास रुचि नहीं दिखाई। भाजपा वोट चुराती तो हरियाणा में कांग्रेस को इतनी सीटें कैसे मिलती।

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा।

> कांग्रेस घट रहे जनाधार से हताश होकर लगा रही आरोप

आरआरसीएम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी व कला उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में रविवार को एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी और कला उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक और कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पीके शर्मा, विशिष्ट अतिथि राजकीय महाविद्यालय का पूर्व प्राचार्या प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा रही। चेयरमैन रोशन लाल यादव ने बताया कि इन प्रतिष्ठित शिक्षाविद्वों की उपस्थिति विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और नवाचार के लिए प्रेरित करेगी।

कनीना। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी व कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। फोटो : हरिभूमि

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए गए अनेक आकर्षक मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनमें स्थाई ऊर्जा स्रोत, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग जैसे विषयों पर आधारित अभिनव परियोजना शामिल रही। कार्यक्रम में भौतिकी विज्ञान के प्रवक्ता सुनील कुमार, रसायन शास्त्र के प्रवक्ता मोहित कुमार खोला, जीव विज्ञान के प्रवक्ता पवन सैनी व चित्र कला के प्रवक्ता अनिल कुमार ने निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यातिथि प्रोफेसर डॉ. पीके शर्मा ने बताया कि यह आयोजन छात्रों को पाठ्यक्रम से हटकर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देता है।

कार्यक्रम | सभी समाज के लोगों को महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए: सांसद

कैंची टी प्वाइंट पर महाराजा शूर सैनी की प्रतिमा लगाने के लिए हुआ भूमि पूजन

- विधायक ने कहा कि चौक न केवल क्षेत्र की पहचान बनेगा बल्कि यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के महाराजा शूर सैनी चौक कैंची टी प्वाइंट पर रविवार को महाराज शूर सैनी की प्रतिमा लगाने के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि महेंद्रगढ़-भिवानी सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व शिक्षामंत्री के अनुज राजेन्द्र शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी, नगर परिषद नारनौल की चेयरपर्सन कमलेश सैनी, नारनौल सैनी सभा प्रधान बिशन सिंह सैनी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्रगढ़ सैनी क्षत्रिय सभा प्रधान सुरेश सैनी ने की। मंच का संचालन मास्टर दिनेश सैनी ने किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद धर्मवीर सिंह चौधरी ने कहा कि भूमि पूजन केवल एक निर्माण कार्य की शुरुआत नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास और जनता की वर्षों पुरानी मांगों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराजा शूर सैनी जैसे महापुरुषों की स्मृति में बनने वाला यह चौक सामाजिक समरसता, प्रेरणा और गौरव का प्रतीक बनेगा। सभी समाज के लोगों को महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने इस कार्य में खर्च होने के वाली समस्त राशि एमपी कोटे से देने की घोषणा की। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महाराजा शूर सैनी जैसे महापुरुषों ने समाज को एकता, परिश्रम और सेवा का संदेश दिया। उनके नाम पर चौक का निर्माण नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास से जोड़ने का कार्य करेगा। विधायक ने कहा कि यह चौक न केवल क्षेत्र की पहचान बनेगा, बल्कि यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महापुरुषों की स्मृतियों को संजोने और विकास कार्यों को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महाराजा शूर सैनी चौक के निर्माण से क्षेत्र की पहचान मजबूत होगी। नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी तथा नारनौल नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सर्व समाज के लोगों को उनका सम्मान करने तथा उनसे प्रेरणा ग्रहण कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया तथा इस कार्य में अपना पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। अंत में सैनी सभा के प्रधान सुरेश सैनी ने कहा कि प्रधान बनने के बाद उनका सपना था कि सबसे पहले महेंद्रगढ़ शहर में महाराज शूर सैनी चौक बनाया जाए।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भूमि पूजन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन कृष्ण सैनी, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य कमल सैनी, पार्षद अशोक सैनी, देवेंद्र उर्फ सोनू सैनी, सीमा सैनी, राजेश सैनी, एडवोकेट ललित तंवर, व्यापार मंडल प्रधान सुरेंद्र बंटी, सुंडाराम ट्रस्ट से संदीप यादव, एडवोकेट शैलेंद्र यादव, पूर्व सैनी सभा प्रधान रामचंद्र सैनी, गोविंदराम, आढ़ती ईश्वर सैनी, पूर्व उप प्रधान कैलाश सैनी, थावर सिंह सैनी, पूर्व प्राचार्य ओमप्रकाश सैनी, प्रताप शास्त्री, पूर्व पार्षद घनश्याम सैनी, रमेश सैनी, महावीर सैनी, मुकेश पेंटर, कृष्ण सैनी, मुकेश सैनी, सैनी सभा उपप्रधान माधव प्रसाद सैनी, सचिव होशियार सैनी, कोषाध्यक्ष दुष्यंत सैनी, मास्टर दिनेश सैनी, सब्जी मंडी प्रधान सूरत सैनी, रामनिवास सैनी, लक्ष्मीनारायण सैनी, संजय कुमार, विनोद कुमार, राधेश्याम सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।